८ बिरजू महाराज से साक्षात्कार

१. सही उत्तर पर (✓) निशान लगाए।

(क) बिरजू महाराज को कौन-सा सम्मान प्राप्त हुआ था?

i. भारत रत्न ☐ ii. पद्म भूषण ☐

iii. पद्म विभूषण ☐ iv. नृत्य सम्राट ☐

(ख) बिरजू महाराज की सबसे बड़ी सहयोगी कौन थीं?

i. उनकी बहन ☐ ii. उनकी माँ ☐

iii. उनकी पत्नी ☐ iv. उनकी बेटी ☐

(ग) बिरजू महाराज के पिता का नाम क्या था?

i. लच्छू महाराज ☐ ii. शंभू महाराज ☐

iii. अच्छन महाराज ☐ iv. मोहन महाराज ☐

(ग) संगीत के कौन-कौन से तीन अंगों का उल्लेख बिरजू महाराज ने किया है?

i. गाना, बजाना, खाना ☐

ii. गाना, बजाना, नाचना ☐

iii. गाना, लिखना, चित्र बनाना ☐

iv. ताली, थाली, मंजीरा ☐

(घ) बिरजू महाराज ने किस देवता से अपनी नृत्य साधना को जोड़ा है?

i. विष्णु ☐ ii. महेश ☐

iii. गणेश ☐ iv. कृष्ण ☐

(ङ) कथक में भाव-भंगिमाएँ शामिल करने का विचार उन्होंने कहाँ से लिया?

i. लोक नृत्य से ☐ ii. चाचा लोग और बाबूजी ☐

iii. रंगमंच से ☐ iv. शास्त्रों से ☐

(च) दर्शकों को लुभाने के लिए किसका प्रयोग किया जाता था?

i. संगीत ☐ ii. मिठाई ☐

iii. चंदन लेप और पान ☐ iv. फूलों की माला ☐

(छ) कथक में गर्दन को किसकी लौ की तरह हिलाया जाता है?

i. दीपक की लौ ☐ ii. चिराग की लौ ☐

iii. मशाल की लौ ☐ iv. सूर्य की किरण ☐

www.onepointlearning.com

२. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

(क) बिरजू महाराज के बचपन में वे _____ नवाब कहलाते थे।

(ख) बिरजू महाराज की माँ पुराने ज़री की _____ जलाकर सोने-चाँदी के तार बेचती थीं।

(ग) बिरजू महाराज का प्रशिक्षण उनके घर के _____ वातावरण में शुरू हुआ।

(घ) जब शिष्य को गुरु भेंट देता है, तब उसे _____ बाँधा जाता है।

(ङ) संगीत और नृत्य के साथ-साथ बिरजू महाराज _____ भी बजाते और गाते थे।

(च) पहले कथक प्रस्तुति फर्श पर _____ बिछाकर की जाती थी।

(छ) लोक नृत्य में लोग मिलकर नाचते हैं जबकि शास्त्रीय नृत्य _____ होता है।

(ज) लड़कियों के पास शिक्षा या कोई-न-कोई हुनर अवश्य होना चाहिए ताकि वे _____ हो सकें।

३. सही (✓) या गलत (X) का निशान लगाए ।

(क) बिरजू महाराज की माँ ने कठिन समय में उन्हें पढ़ाई छोड़ने को कहा। ☐

(ख) बिरजू महाराज को औपचारिक प्रशिक्षण उनके चाचा से मिला। ☐

(ग) बिरजू महाराज पढ़ाई को नृत्य से अधिक ज़रूरी मानते थे। ☐

(घ) लय के बिना नृत्य में सौंदर्य नहीं होता। ☐

(ङ) भाषा की विविधता के बावजूद मानव भावना एक होती है। ☐

(च) अनुशासन और संतुलन संगीत से नहीं सीखते हैं। ☐

(छ) बिरजू महाराज ने अपनी बहनों को कथक सिखाया था। ☐

(ज) बिरजू महाराज बच्चों को संगीत सीखने की सलाह नहीं देते। ☐

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर १-२ वाक्य में लिखिए|

(क) बिरजू महाराज ने कथक की शिक्षा सबसे पहले किससे प्राप्त की?

उत्तर. _____

_____

(ख) बिरजू महाराज ने गंडा बाँधने की परंपरा में क्या परिवर्तन किया?

उत्तर. _____

_____

(ग) बिरजू महाराज के चाचा ने नौकरी करने पर क्या कहा था?

उत्तर. _____

_____

www.onepointlearning.com

(घ) बिरजू महाराज ने बचपन में क्या-क्या सीखा?

उत्तर. _____

_____

(ङ) लय नृत्य में क्या भूमिका निभाती है?

उत्तर. _____

_____

(च) भाषा के भिन्न होने के बावजूद मनुष्य के भाव किस तरह एक हो जाते हैं?

उत्तर. _____

_____

(छ) कथक में किस प्रकार की भाव-भंगिमाएँ प्रयुक्त होती हैं? बिरजू महाराज ने कथक में क्या नया जोड़ा?

उत्तर. _____

_____

(ज) बिरजू महाराज ने फ्रांस में यशोदा के बारे में क्या बताया?

उत्तर. _____

_____

(झ) बिरजू महाराज ने कहा कि अगर वे नर्तक नहीं होते तो इंजीनियर होते। क्यों?

उत्तर. _____

_____

(ट) साक्षात्कार का मुख्य विषय क्या है?

उत्तर. _____

_____

५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर ३-४ वाक्य में लिखिए|

(क) बिरजू महाराज का बचपन कैसा था और उन्हें किस प्रकार संघर्ष करना पड़ा?

उत्तर. _____

_____

_____

(ख) बिरजू महाराज की माँ ने घर का खर्च कैसे चलाया?

उत्तर. _____

_____

_____

www.onepointlearning.com

(ग) लोकनृत्य और शास्त्रीय नृत्य में क्या अंतर है? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर. _____

_____

_____

(घ) शास्त्रीय नृत्य और लोक नृत्य में क्या अंतर है?

उत्तर. _____

_____

_____

(ङ) बच्चों की रुचियों और शिक्षा को लेकर बिरजू महाराज का क्या दृष्टिकोण था?

उत्तर. _____

_____

_____

(च) सुर और लय का जीवन में क्या महत्व बताया गया है?

६. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए|

कथक की परंपरा बहुत पुरानी है। 'महाभारत' के आदिपर्व और 'रामायण' में इसकी चर्चा मिलती है। पहले कथक रोचक और अनौपचारिक रूप से कथा कहने का ढंग होता था। तब यह मंदिरों तक ही सीमित था। हमारे लखनऊ घराने के लोग मूलतः बनारस-इलाहाबाद के बीच हरिया गाँव के रहने वाले थे। वहीं 989 कथिकों के घर हुआ करते थे। कथिकों का एक तालाब अभी भी है। गाँव में एक बैरगिया नाला है, जिसके साथ यह कहानी जुड़ी हुई है— एक बार नौ कथिक नाले के पास से गुज़र रहे थे कि तीन डाकू वहाँ आ पहुँचे। कुछ कथिक डर गए, किंतु उन कथिकों की कला में इतना दम था कि डाकू सब कुछ भूलकर उन कथिकों के कथक में मग्न हो गए। तब से यह पद लोगों में प्रचलित हो गया—

बैरगिया नाला ज़ुलम ज़ोर,
नौ कथिक नचावें तीन चोर।
जब तबला बोले धिन-धिन,
तब एक-एक पर तीन-तीन।

लखनऊ घराने के बाद जयपुर घराने और फिर बनारस घराने का विकास हुआ। इसके अलावा रायगढ़ के महाराज चक्रधर की भी अपनी अलग शैली थी।

अनुच्छेद आधारित प्रश्न

(क) कथक की परंपरा का सबसे पुराना उल्लेख कहाँ मिलता है?

उत्तर. _____

www.onepointlearning.com

(ख) प्रारंभ में कथक किस रूप में प्रस्तुत किया जाता था?

उत्तर. _____

(ग) लखनऊ घराने के लोग मूल रूप से किस गाँव के निवासी थे?

उत्तर. _____

(घ) लखनऊ घराने के बाद किस- किस घराने का विकास हुआ?

उत्तर. _____

(ङ) रायगढ़ में किस राजा की कथक शैली प्रसिद्ध थी?

उत्तर. _____

७. निम्नलिखित कथन को "किसने किससे कहा?" बताईए|

	किसने कहा?	किससे कहा?
(क) “खाने को भले ही चना मिले या कुछ भी न मिले पर अभ्यास जरूर करो।”	_____	_____
(ख) “भेंट मिलनेपर ही गंडा बाँधुँगा।”	_____	_____
(ग) “तुम नौकरी में बँट जाओगे। तुम्हारे अदर का नतर्क पूरी तरह पनप नहीं पाएगा।”	_____	_____
(घ) “लड़के के हाथ में लय है।”	_____	_____

८. मिलान कीजिए|

(क)	(ख)	उत्तर
(क) नृत्य	i. गुरु-शिष्य संबंध की शुरुआत	(क) _____
(ख) गंडा बाँधना	ii. शिष्या और IAS अधिकारी	(ख) _____
(ग) कथक रचना	iii. बिरजू महाराज का शौक	(ग) _____
(घ) शोभना नारायण	iv. बहुत छोटी उम्र में, जब वे दूध पीते थे।	
(ङ) तबला	v. शरीर, ध्यान और तपस्या	(घ) _____
(च) चित्रकला	vi. टैगोर, त्यागराज, आधुनिक कवियों	(ङ) _____

९. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए|

(क) बचपन x _____ (ख) गुरु x _____

(ग) पवित्र x _____ (घ) ढंग x _____

(ङ) अदृश्य x _____ (च) साधारण x _____

१०. नीचे दिए गए शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए।

(क) नर्तक = _____ (ख) कलाकार = _____

www.onepointlearning.com

११. पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) देहांत = _____ (ख) घराना = _____

(ग) फर्रा = _____ (घ) हुनर = _____

१२. नीचे दिए गए शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग या प्रत्यय को पहचानिए।

(क) प्रशिक्षण = _____ (ख) पारंपरिक = _____

(ग) सुंदरता = _____ (घ) सीमित = _____

१३. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों का शब्द-भेद (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि) बताइए।

(क) बिरजू महाराज <u>कथक</u> में पारंगत थे। = _____

(ख) माँ ने कहा – "भोजन मिले या न मिले, <u>अभ्यास</u> जरूर करना।" = _____

(ग) वे <u>साधना</u> के पथ पर आगे बढ़े। = _____

(घ) वह कलाकार <u>बहुत</u> अच्छा नाचा। = _____

(ङ) बच्चों को <u>लय</u> के साथ खेलने दो। = _____

९४. नीचे दिए गए शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए।

(क) तपस्या = _____ + _____ (ख) आत्मनिर्भर = _____ + _____

(ग) प्रशिक्षण = _____ + _____ (घ) संतुलन = _____ + _____

www.onepointlearning.com

Answer

१.

(क) iii. पद्म विभूषण (ख) iv. उनकी बेटी (ग) iii. अच्छन महाराज
(ग) ii. गाना, बजाना, नाचना (घ) iv. कृष्ण (ङ) ii. चाचा लोग और बाबूजी
(च) iii. चंदन लेप और पान (छ) ii. चिराग की लौ

२.

(क) छोटे नवाब (ख) साड़ियाँ (ग) संगीतमय (घ) गंडा (ङ) तबला (च) दरी (छ) एकल
(ज) आत्मनिर्भर

३.

(क) X (ख) ✓ (ग) X (घ) ✓ (ङ) ✓ (च) X (छ) ✓
(ज) X

४.

(क) बिरजू महाराज ने कथक की शिक्षा सबसे पहले अपने पिता अच्छन महाराज से प्राप्त की।
(ख) उन्होंने गंडा बाँधने की परंपरा में यह बदलाव किया कि शिष्य जब गुरु को भेंट दे, तभी गंडा बाँधा जाए।
(ग) उनके चाचा ने कहा था कि नौकरी करने से वे बँट जाएँगे और उनका नर्तक पूरी तरह पनप नहीं पाएगा।
(घ) बचपन में बिरजू महाराज ने नृत्य, गायन और तबला बजाना सीखा।
(ङ) लय नृत्य को सुंदर, आकर्षक और पूर्ण बनाती है।
(च) भावनाएँ मनुष्य की समान होती हैं इसलिए भाषा की विविधता के बावजूद भाव एक हो जाते हैं।
(छ) कथक में चेहरे और अंगों की भाव-भंगिमाएँ होती हैं। बिरजू महाराज ने इसमें संवाद, अभिनय और मंचीय प्रयोग जोड़ा।
(ज) फ्रांस में उन्होंने बताया कि यशोदा माँ अपने पुत्र को शास्त्रीय नृत्य में भाव से कैसे समझाती हैं।
(झ) अगर वे नर्तक नहीं होते तो इंजीनियर होते क्योंकि उन्हें मशीनों से गहरी रुचि थी।
(ट) इस साक्षात्कार का मुख्य विषय कथक नृत्य, उसका विकास और बिरजू महाराज का जीवन

५.

(क) बिरजू महाराज का बचपन संघर्षपूर्ण था। पिता के निधन के बाद आर्थिक स्थिति खराब हो गई। माँ ने कठिन परिश्रम कर घर चलाया। फिर भी उन्होंने कला का अभ्यास नहीं छोड़ा।
(ख) बिरजू महाराज की माँ पुराने ज़री की साड़ियों को जलाकर तार निकालती थीं और उन्हें बेचकर घर का खर्च चलाती थीं।
(ग) लोकनृत्य समूह में होता है जिसमें सभी लोग मिलकर नाचते हैं, जैसे- गरबा। शास्त्रीय नृत्य एकल होता है, जिसमें भाव, मुद्रा और अनुशासन होता है, जैसे- कथक।
(घ) शास्त्रीय नृत्य में तकनीकी नियम, रचनात्मकता और अनुशासन होता है। लोकनृत्य में सहजता और सामूहिकता प्रमुख होती है।
(ङ) बिरजू महाराज मानते थे कि बच्चों की शिक्षा के साथ उनकी रुचियों का विकास भी आवश्यक है। वे बच्चों को संगीत और नृत्य से जोड़ना चाहते थे।
(च) सुर और लय से जीवन में अनुशासन, संतुलन और तालमेल आता है। ये जीवन को सुंदर और आनंददायक बनाते हैं।

६.

(क) कथक की परंपरा का सबसे पुराना उल्लेख महाभारत और रामायण में मिलता है।
(ख) प्रारंभ में कथक कथा कहने का अनौपचारिक ढंग था।
(ग) लखनऊ घराने के लोग हरिया गाँव के निवासी थे।

www.onepointlearning.com

(घ) लखनऊ घराने के बाद जयपुर और बनारस घराने का विकास हुआ।

(ङ) रायगढ़ में महाराज चक्रधर की कथक शैली प्रसिद्ध थी।

७.

कथन	किसने कहा?	किससे कहा?
"खाने को भले ही चना मिले या कुछ भी न मिले पर अभ्यास जरूर करो।"	माँ	बिरजू महाराज से
"भेंट मिलने पर ही गंडा बाँधुँगा।"	बिरजू महाराज	अपने शिष्यों से
"तुम नौकरी में बँट जाओगे।"	चाचा	बिरजू महाराज से
"लड़के के हाथ में लय है।"	अच्छन महाराज	माँ से

८.

(क) → v (ख) → i (ग) → vi (घ) → ii (ङ) → iv (च) → iii

९.

(क) बुढ़ापा (ख) शिष्य (ग) अपवित्र (घ) बेढंग (ङ) दृश्य (च) असाधारण

१०.

(क) नर्तक – नर्तकी (ख) कलाकार – कलाकारिन

११.

(क) देहांत – मृत्यु (ख) घराना – परंपरा (ग) फर्रा – पन्ना (घ) हुनर – कौशल

१२.

(क) प्र + षिक्षण (ख) पार + परिक (ग) सुंदर + ता (घ) सी + मित

१३.

(क) पारंगत – विशेषण (ख) भोजन – संज्ञा (ग) साधना – संज्ञा (घ) नाचा – क्रिया

(ङ) लय – संज्ञा

१४.

(क) तपस्या – तप + अस्या

(ख) आत्मनिर्भर – आत्मा + निर्भर

(ग) प्रशिक्षण – प्र + शिक्षण

(घ) संतुलन – सम् + तुलन

www.onepointlearning.com